REPORT

NATIONAL SEMINAR ON RESEARCH METHODOLOGY

A national seminar was organized by Internal Quality and Research and Development Cell (IQAC) on 21st May, 2023, Sunday at the Harish Chandra Post Graduate College, Varanasi. On this occasion, the chief guest, Honourable Dr. Dayashankar Mishra 'Dayalu', Minister of State (Independent Charge) for AYUSH, Food Safety and Drug Administration, Government of Uttar Pradesh. He said that many of our teachers and researchers have acquired knowledge through hard work and this knowledge has become the basis of civilization, society. He also said that "Research is an organised and systematic way of finding answers to question. Research has carried out for two purposes one is discovery and second one is verification of old one. In India there is a scarcity of competent researchers due to lack of scientific training in the research methodology. This national seminar certainly improve the research skills of students and faculty members." For the welfare of the world, research should have innovation, accuracy, relevance and rationality. It is necessary for the researcher to have moral awareness and moral responsibility. Today, the Government of India is emphasizing on research based on Indian values and the confidence of the youth in this effort of the government is increasing, this will definitely prove to be a milestone in this direction in the times to come.

Presiding over the seminar, Principal Professor Rajnish Kunwar said that apart from being beneficial for the society, research should be latest and should not be repetitive. Those who reach the top after passing through the three-tier investigation are researchers in the real sense. Infrastructure also matters a lot. He further explained that there is a need for continuous study along with learning. He gave detailed information about the things a researcher should know.

The keynote speaker of the first session of the seminar, Professor Abhay Kumar Singh, Institute of Sciences, Department of Physics, Banaras Hindu University, Varanasi, talked about some basic concepts of research methodology, which are very important to know in the context of conducting quality research. He also discussed about qualitative and quantitative research models, types of literature review and different research types. He clarified the difference between research methodology and research method.

The keynote speaker of the second session of the seminar, Professor Ida Tiwari, Department of Chemistry and Forensic Science, Banaras Hindu University, Varanasi, gave great respect to the idea of research and explained how a good research helps in the development of the society. He also highlighted the merits and importance of research and told how research affects the society. He explained that some of such characteristics include proving the research scientifically, objectivity, ability to edit the document and proper acknowledgment of the research sources from which relevant ideas are taken to conduct the research.

Seminar coordinator Professor Anil Kumar established the topic and further told that in future, this seminar will help the researchers and new teachers in doing research work. He further said that in this national seminar, research papers on the subject of Research Methodology were presented by 50 students of fourth semester and 25 researchers through posters and oral presentations. A souvenir was also released by the guests in this seminar.

NATIONAL SEMINAR
ON

NATIONAL SEMINAR
ON
21 MAY 2023
Organised by
82C7+239, Daranagar, Kotwali, Varanasi, Uttar Pradesh 221001, India
Varanasi
Uttar Pradesh
India
2023-05-21(Sun) 03:49(pm)
43°C
109°F
KOTWALI
कोतवाली
Shree Kaal Bhairav Temple
Vindhyachal Mata Mandir
Google

NATIONAL SEMINAR
ON
Organised by

NATIONAL SEMINAR
ON
RESEARCH METHODOLOGY
21 MAY 2023
Organised by
IQAC, Research & Development Cell

KOTWALI
कोतवाली
Shree Kaal
Bhairav Temple
Vindhyachal
Mata Mandir
Google
K58/78, Kotwali, Varanasi, Uttar Pradesh 221001, India
Varanasi
Uttar Pradesh
India
2023-05-21(Sun) 03:47(pm)
43°C
109°F

KOTWALI
कोतवाली
K58/78, Kotwali, Varanasi, Uttar Pradesh 221001, India
Varanasi
Uttar Pradesh
India
2023-05-21(Sun) 03:43(pm)
43°C
109°F
Shree Kaal Bhairav Temple
Vindhyachal Mata Mandir
Google

NATIONAL SEMINAR ON	NATIONAL SEMINAR ON RESEARCH METHODOLOGY

जिसके पास ज्ञान तंत्र वही सबसे धनी: डा. दयाशंकर मिश्र

श्री हरिशचंद्र पीजी कालेज में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर राष्ट्रीय सेमिनार

वाराणसी (जनवार्ता)। श्री हरिश्चंद्र स्नाताकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि हमारे अनेक आचार्यों एवं अन्वेषकों ने कठिन परिश्रम करके ज्ञान अर्जित किया और यही ज्ञान सभ्यता, समाज को उन्नत करती है। उन्होंने कहा कि आज का समाज ज्ञान का समाज है और जिसके पास ज्ञान तंत्र है वह सबसे धनी है। नैतिकता को जीवित रखना आवश्यक है। जब तक नैतिक बोध विकसित नहीं होगा तब तक उत्तम कार्य संभव नहीं होगा। रजनीश कुंवर ने कहा कि अनुसंधान समाज के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ नवीनतम भी होना चाहिए साथ ही इसमें दोहराव भी नहीं होना चाहिए। संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अभय कुमार सिंह भौतिकी विज्ञान संस्थान, बीएचयू रहे। उन्होंने रिसर्च मेथाडोलॉजी तथा रिसर्च मेथड के बीच अंतर को स्पष्ट किया 'संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता प्रो. ईडा तिवारी रसायन विज्ञान एवं फॉरेंसिक साइंस, बीएचयू थीं। इस मौके पर सेमिनार संयोजक प्रोफेसर अनिल कुमार ने विषय स्थापना किया। सेमिनार में अतिथियों द्वारा स्मारिका का भी विमोचन किया गया। संचालन आयोजन सचिव प्रो. वीके निर्मल एवं स्वागत प्रो. पंकज सिंह द्वारा तथा धन्यवाद प्रो. संजय श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

लाभकारी होने के साथ नवीनतम भी होना चाहिए शोध : प्रो. रजनीश कुंवर

जागरण संवाददाता, वाराणसी : श्री हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि आयुष राज्यमंत्री डा. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि हमारे अनेक आचार्यों एवं अन्वेषकों ने कठिन परिश्रम करके ज्ञान अर्जित किया और यही ज्ञान सभ्यता, समाज को उन्नत करती है। हमें वैश्विक स्पर्धा में आने की आवश्यकता है। प्राचार्य प्रो. रजनीश कुंवर ने कहा कि अनुसंधान समाज के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ नवीनतम भी होना चाहिए साथ ही इसमें दोहराव भी नहीं होना चाहिए। इस मौके पर प्रो. अभय कुमार सिंह, प्रो. ईडा तिवारी, प्रो. अनिल कुमार आदि ने विचार रखे।

शोधार्थियों में नैतिक बोध व जिम्मेदारी का होना है अति आवश्यक -डॉ दयाशंकर

वाराणसी । श्री हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ' इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश सरकार, माननीय श्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि हमारे अनेक आचार्यों एवं अन्वेषकों ने कठिन परिश्रम करके ज्ञान अर्जित किया और यही ज्ञान सभ्यता, समाज को उन्नत करती है ' उन्होंने कहा कि आज का समाज ज्ञान का समाज है और जिसके पास ज्ञान तंत्र है वह सबसे धनी है ' हमें वैश्विक स्पर्धा में आने की आवश्यकता है ' नैतिकता को जीवित रखना आवश्यक है' जब तक नैतिक बोध विकसित नहीं होगा तब तक उत्तम कार्य संभव नहीं होगा ' विश्व के कल्याण हेतु शोध में नवाचार, शुद्धता एवं परिसंगतता, तर्कसंगतता होनी चाहिए ' शोधार्थी में नैतिक बोध एवं नैतिक जिम्मेदारी का होना आवश्यक है ' आज भारत सरकार भारतीय मूल्यों पर आधारित शोध पर जोर दे रही है और युवाओं द्वारा सरकार के इस प्रयास पर इस प्रकार विश्वास बढ़ रहा है इससे निश्चित ही इस दिशा में आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा '

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रजनीश कुंवर ने कहा कि अनुसंधान समाज के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ नवीनतम भी होना चाहिए साथ ही इसमें दोहराव भी नहीं होना चाहिए ' त्रिस्तरीय जांच से गुजर कर जो शिखर तक पहुंचते हैं, असल मायने में वे शोधकर्ता होते हैं ' आधारभूत संरचना भी काफी मायने रखता है ' शिक्षकों के प्रखर नहीं होने से शोधकर्ता को जो फायदा होना चाहिए ।

राष्ट्रीय सेमिनार आज

श्री हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मैदागिन, में आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा २१ मई को पूर्वाह्न ११बजे से 'रिसर्च मेथोडोलॉजी' विषक एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। यह जानकारी प्राचार्य प्रोफेसर रजनीश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेमिनार के मुख्य अतिथि आयुष,खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)उत्तर प्रदेश सरकार, दयाशंकर मिश्र 'दयालु'होंगे।

محققین میں اخلاقی احساس اور ذمہ داری کا ہونا بہت ضروری ہے: ڈاکٹر دیاشنکر مشرا

'जिसके पास ज्ञान, वही सबसे धनी'

बोले मंत्री

- हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज में शोध की गुणवत्ता पर हुई संगोष्ठी
- लाभकारी के साथ-साथ नवीनतम भी होने चाहिए शोध

वाराणसी। हमारे अनेक आचार्यों एवं अन्वेषकों ने कठिन परिश्रम करके ज्ञान अर्जित किया। वही ज्ञान सभ्यता, समाज को उन्नत करता है 'जिसके पास ज्ञान तंत्र है वह सबसे धनी है ' ये बातें आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहीं। वह श्री हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि विश्व कल्याण के लिए शोध में नवाचार, शुद्धता एवं परिसंगतता, तर्कसंगतता होनी चाहिए ' शोधार्थी में नैतिक बोध एवं नैतिक जिम्मेदारी का होना आवश्यक है। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. रजनीश कुंवर ने कहा कि अनुसंधान समाज के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ नवीनतम भी होना चाहिए।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता बीएचयू के भौतिकी विज्ञान संस्थान के प्रो अभय कुमार सिंह ने अनुसंधान पद्धति की कुछ बुनियादी अवधारणाओं की चर्चा की। द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता बीएचयू के रसायन विज्ञान एवं फॉरेंसिक साइंस विभाग की प्रो. ईरा तिवारी ने समझाया कि कैसे एक अच्छा शोध समाज के विकास में मदद करता है ' अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन किया। संयोजक प्रो. अनिल कुमार ने विषय स्थापना की। स्वागत प्रो. पंकज सिंह, संचालन प्रो. वीके निर्मल तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संजय श्रीवास्तव ने किया।

मुख्य नियंता प्रो. अशोक कुमार सिंह, प्रो. विश्वनाथ वर्मा, प्रो. संगीता श्रीवास्तव, प्रो. अनिता सिंह, प्रो. जगदीश सिंह, प्रो. अशोक कुमार सिंह, डॉ. रामआशीष यादव, डॉ. संगीता शुक्ला, डॉ. सत्येंद्र सिंह, डॉ. राकेशमणि मिश्र, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. दुर्गेश सिंह यादव, डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. सीमा सिंह, डॉ. शिवानंद यादव आदि ने सहभागिता की।

शोधार्थियों में नैतिक बोध व जिम्मेदारी का होना अति आवश्यक -डॉ दयाशंकर मिश्र

लाभकारी होने के साथ नवीनतम भी होना चाहिए शोध - प्रोफेसर रजनीश कुंवर

वाराणसी । श्री हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश सरकार, माननीय श्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि हमारे अनेक आचार्यों एवं अन्वेषकों ने कठिन परिश्रम करके ज्ञान अर्जित किया और यही ज्ञान सभ्यता, समाज को उन्नत करती है । उन्होंने कहा कि आज का समाज ज्ञान का समाज है और जिसके पास ज्ञान तंत्र है वह सबसे धनी है य हमें वैश्विक स्पर्धा में आने की आवश्यकता है । नैतिकता को जीवित रखना आवश्यक हैय जब तक नैतिक बोध विकसित नहीं होगा तब तक उत्तम कार्य संभव नहीं होगा । विश्व के कल्याण हेतु शोध में नवाचार, शुद्धता एवं परिसंगतता, तर्कसंगतता होनी चाहिए । शोधार्थी में नैतिक बोध एवं नैतिक जिम्मेदारी का होना आवश्यक है । आज भारत सरकार भारतीय मूल्यों पर आधारित शोध पर जोर दे रही है और युवाओं द्वारा सरकार के इस प्रयास पर इस प्रकार विश्वास बढ़ रहा है इससे निश्चित ही इस दिशा में आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा । संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रजनीश कुंवर ने कहा कि अनुसंधान समाज के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ नवीनतम भी होना चाहिए साथ ही इसमें दोहराव भी नहीं होना चाहिए । त्रिस्तरीय जांच से गुजर कर जो शिखर तक पहुंचते हैं, असल मायने में वे शोधकर्ता होते हैं । आधारभूत संरचना भी काफी मायने रखता है य शिक्षकों के प्रखर नहीं होने से शोधकर्ता को जो फायदा होना चाहिए वह नहीं हो पाता है । उन्होंने आगे बताया कि सीखने के साथ सतत अध्ययन की आवश्यकता है । अनुसंधानकर्ता को किन किन बातों की जानकारी होनी चाहिए, इस विषय में उन्होंने विस्तृत जानकारी दी। संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अभय कुमार सिंह भौतिकी विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने अनुसंधान पद्धति की कुछ बुनियादी अवधारणाओं के बारे में बात की, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शोध करने के संदर्भ में जाना अति आवश्यक है । उन्होंने गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध प्रतिमान, साहित्य समीक्षा के प्रकार एवं विभिन्न शोध प्रकारों के बारे में भी चर्चा की । उन्होंने रिसर्च मेथाडोलॉजी तथा रिसर्च मेथड के बीच अंतर को स्पष्ट किया । संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता प्रोफेसर ईडा तिवारी रसायन विज्ञान एवं फॉरेंसिक साइंस विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने शोध के विचार को बहुत सम्मान दिया और समझाया कि कैसे एक अच्छा शोध समाज के विकास में मदद करता है । उन्होंने शोध के गुणों एवं महत्व पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे अनुसंधान यह समाज को प्रभावित करता है । उन्होंने बताया कि इस तरह की कुछ विशेषताओं में वैज्ञानिक रूप से अनुसंधान, निष्पक्षता, दस्तावेज को संपादित करने की क्षमता और उन शोध स्रोतों की उचित स्वीकृति सिद्ध करना शामिल है, जिनसे अनुसंधान करने के लिए प्रासंगिक विचार लिए गए हैं । सेमिनार संयोजक प्रोफेसर अनिल कुमार ने विषय स्थापना किया और आगे बताया कि भविष्य में शोधार्थी व नवीन शिक्षकों इस संगोष्ठी से शोध कार्य करने में मदद मिलेगी य उन्होंने आगे बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसर्च मेथाडोलॉजी विषय पर चतुर्थ सेमेस्टर के 50 विद्यार्थी व 25 शोधार्थियों द्वारा पोस्टर एवं मौखिक प्रस्तुति के द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया य इस सेमिनार में अतिथियों द्वारा स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव प्रोफेसर वीके निर्मल एवं स्वागत प्रोफेसर पंकज सिंह द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव द्वारा किया गया ।

शोधार्थियों में नैतिक बोध व जिम्मेदारी का होना अति आवश्यक : डॉ. दयाशंकर मिश्र

श्री हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर राष्ट्रीय सेमिनार

वाराणसी (**काशीवार्ता**)। श्री हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश सरकार, दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि हमारे अनेक आचार्यों एवं अन्वेशकों ने कठिन परिश्रम करके ज्ञान अर्जित किया और यही ज्ञान सभ्यता, समाज को उन्नत करती है।

उन्होंने कहा कि आज का समाज ज्ञान का समाज है और जिसके पास ज्ञान तंत्र है वह सबसे धनी है। हमें वैश्विक स्पर्धा में आने की आवश्यकता है। नैतिकता को जीवित रखना आवश्यक है। जब तक नैतिक बोध विकसित नहीं होगा तब तक उत्तम कार्य संभव नहीं होगा। विश्व के कल्याण हेतु शोध में नवाचार, शुद्धता एवं परिसंगतता, तर्कसंगतता होनी चाहिए। शोधार्थी में नैतिक बोध एवं नैतिक जिम्मेदारी का होना आवश्यक है। आज भारत सरकार भारतीय मूल्यों पर आधारित शोध पर जोर दे रही है और युवाओं द्वारा सरकार के इस प्रयास पर इस प्रकार विश्वास बढ़ रहा है इससे निश्चित ही इस दिशा में आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा।

सेमिनार में स्मारिका का विमोचन करते अतिथिगण।

संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर रजनीश कुंवर ने की संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता प्रोफेसर ईडा तिवारी रसायन विज्ञान एवं फॉरेंसिक साइंस विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय रही। उन्होंने शोध के गुणों एवं महत्व पर भी प्रकाश डाला। सेमिनार में अतिथियों द्वारा स्मारिका का भी विमोचन किया गया। संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव प्रोफेसर वीके निर्मल एवं स्वागत प्रोफेसर पंकज सिंह द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संजय श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

पास महिला कर रही वकालत

किया गया है वही दीवानी न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की धत्ता बताते हुए बार एसोसिएशन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए विगत 3 वर्षों से 43 वर्षीय बीए पास महिला पूजा यादव तथाकथित पुत्री सदाफल निवासी बल्लोचटोला और अभिषेक भारद्वाज उपरोक्त के खिलाफ वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने लिखित तौर पर दीवानी बार अधिवक्ता संघ से कार्यवाही की गुहार लगाई है। जिसे संज्ञान में लेकर अध्यक्ष जितेंद्र नाथ उपाध्याय एडवोकेट महामंत्री अनिल कुमार सिंह एडवोकेट के द्वारा उपरोक्त

Talk on creative learning delivered

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Prof Manish Jain, Principal Coordinator of Centre for Creative Learning, IIT Gandhinagar, delivered a talk on creative learning to the students of Institute of Science in Banaras Hindu University (BHU) on Saturday. During the talk, he has demonstrated various complicated mathematical concepts via simple 3-D models made by simple things around us. The students were very excited throughout the lecture and enjoyed making 3-D models using cucumber and paper. The teachers also interacted with Prof Jain after the talk. He emphasised on using techniques of creative learning in class room for improvement in quality of teaching. He also mentioned that concepts of creativity learning are given due weightage in the National Education Policy (NEP).

Prof Jain and teachers discussed possibilities of joining hands with the creative learning Lab at IIT Gandhinagar for improving the teaching quality via creative learning. The talk was organised by Skill Development Cell BHU in collaboration with DST Centre for Interdisciplinary Mathematical Sciences. The talk was also attended by Prof Sukh Mahendra Singh, Dean, Faculty of Science, Prof Bankteshwar Tiwari, Coordinator DST-CIMS, Prof HP Sharma, Coordinator Skill Development Cell, Dr Raghavendra Chaubey, Dr Rajkiran Prabhakar, Dr Anshul Verma and Dr Swapnil.

SEMINAR: UP Minister of State (Independent Charge) for Ayush, Food Safety and Drug Administration Dr Daya Shankar Mishra 'Dayalu' on Sunday said, "Today's society is the society of knowledge and those who have knowledge are the richest." Speaking as chief guest in the inaugural session of a seminar organised by the internal quality, research and development cell of Harishchandra PG College, Dayalu said that our Acharyas and discoverers attain the knowledge by working hard and this knowledge makes the civilisation and society richer. We need to complete the global competition and there is a need to maintain the morality, the Minister said, adding that the best work will not be possible unless the moral sense develops. There should be innovation, purity and reasonability in the research for world welfare, he said and emphasised on moral sense and moral responsibility in the researchers. The country is at present laying more emphasis on the research based Indian values and the youths are trusting on this initiative of the government and it will prove a milestone in the days to come, he said further. Presiding over the inaugural session, the Principal of the college Prof Rajneesh Kunwar said that the research should be new with the beneficial and it should also not be repeated and added that the actual researchers are those who reach to the top by passing through three-layer examination. The basic structure also has importance and if the teachers are not efficient, the researchers fail in getting what they want, he said and emphasised on the continuous study with learning. Thereafter the technical sessions were held in which Prof Abhay Kumar Singh and Prof Ida Tiwari mainly expressed their views. Earlier, the seminar convener Anil Kumar outlined the subject and informed that as many as 50 students of the fourth semester and as many as 25 researchers presented their research papers on the research methodology through posters and oral presentation. A souvenir was also released by the guests in the inaugural session. The organising secretary Prof VK Nirmal conducted the proceedings and Prof Sanjay Srivastava offered a vote of thanks.

शोधार्थियों में नैतिक बोध व जिम्मेदारी का होना है अति आवश्यक -डॉ दयाशंकर मिश्र

लाभकारी होने के साथ नवीनतम भी होना चाहिए शोध-प्रोफेसर रजनीश कुंवर

श्री हरिशचंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर हुआ एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

हिन्द भास्कर

वाराणसी। श्री हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश सरकार, माननीय श्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि हमारे अनेक आचार्यों एवं अन्वेषकों ने कठिन परिश्रम करके ज्ञान अर्जित किया और यही ज्ञान सभ्यता, समाज को उन्नत करती है। उन्होंने कहा कि आज का समाज ज्ञान का समाज है और जिसके पास ज्ञान तंत्र है वह सबसे धनी है। हमें वैश्विक स्पर्धा में आने की आवश्यकता है। नैतिकता को जीवित रखना आवश्यक है। जब तक नैतिक बोध विकसित नहीं होगा तब तक उत्तम कार्य संभव नहीं होगा। विश्व के कल्याण हेतु शोध में नवाचार, शुद्धता एवं परिसंगतता, तर्कसंगतता होनी चाहिए। शोधार्थी में नैतिक बोध एवं नैतिक जिम्मेदारी का होना आवश्यक है। आज भारत सरकार भारतीय मूल्यों पर आधारित शोध पर जोर दे रही है और युवाओं द्वारा सरकार के इस प्रयास पर इस प्रकार विश्वास बढ़ रहा है इससे निश्चित ही इस दिशा में आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रजनीश कुंवर ने कहा कि अनुसंधान समाज के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ नवीनतम भी होना चाहिए साथ ही इसमें दोहराव भी नहीं होना चाहिए। त्रिस्तरीय जांच से गुजर कर जो शिखर तक पहुंचते हैं, असल मायने में वे शोधकर्ता होते हैं। आधारभूत संरचना भी काफी मायने रखता है। शिक्षकों के प्रखर नहीं होने से शोधकर्ता को जो फायदा होना चाहिए वह नहीं हो पाता है। उन्होंने आगे बताया कि सीखने के साथ सतत अध्ययन की आवश्यकता है। अनुसंधानकर्ता को किन किन बातों की जानकारी होनी चाहिए, इस विषय में उन्होंने विस्तृत जानकारी दी।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अभय कुमार सिंह भौतिकी विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने अनुसंधान पद्धति की कुछ बुनियादी अवधारणाओं के बारे में बात की, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शोध करने के संदर्भ में जाना अति आवश्यक है। उन्होंने गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध प्रतिमान, साहित्य समीक्षा के प्रकार एवं विभिन्न शोध प्रकारों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने रिसर्च मेथाडोलॉजी तथा रिसर्च मेथड के बीच अंतर को स्पष्ट किया।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता प्रोफेसर ईडा तिवारी रसायन विज्ञान एवं फॉरेंसिक साइंस विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने शोध के विचार को बहुत सम्मान दिया और समझाया कि कैसे एक अच्छा शोध समाज के विकास में मदद करता है। उन्होंने शोध के गुणों एवं महत्व पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे अनुसंधान यह समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने बताया कि इस तरह की कुछ विशेषताओं में वैज्ञानिक रूप से अनुसंधान, निष्पक्षता, दस्तावेज को संपादित करने की क्षमता और उन शोध स्रोतों की उचित स्वीकृति सिद्ध करना शामिल है, जिनसे अनुसंधान करने के लिए प्रासंगिक विचार लिए गए हैं।

सेमिनार संयोजक प्रोफेसर अनिल कुमार ने विषय स्थापना किया और आगे बताया कि भविष्य में शोधार्थी व नवीन शिक्षकों इस संगोष्ठी से शोध कार्य करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसर्च मेथाडोलॉजी विषय पर चतुर्थ सेमेस्टर के 50 विद्यार्थी व 25 शोधार्थियों द्वारा पोस्टर एवं मौखिक प्रस्तुति के द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। इस सेमिनार में अतिथियों द्वारा स्मारिका का भी विमोचन किया गयाद्य

संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव प्रोफेसर वीके निर्मल एवं स्वागत प्रोफेसर पंकज सिंह द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य नियंता प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह, प्रोफेसर विश्वनाथ वर्मा, प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव, प्रोफेसर अनीता सिंह, प्रोफेसर जगदीश सिंह, प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह,डॉ. राम आशीष यादव, डॉक्टर संगीता शुक्ला, डॉक्टर सत्येंद्र सिंह, डॉक्टर राकेश मणि मिश्र, डॉ राजेंद्र प्रसाद , डॉ दुर्गेश सिंह यादव, डॉक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉक्टर सीमा सिंह, डॉ. शिवानंद यादव सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोड किनारे बसे वनवासियों को शीघ्र मिलेगा अपना ठिकाना

फोटो, आवास का कार्य कराते प्रधान प्रतिनिधि व ग्राम पंचायत अधिकारी

हिन्द भास्कर

सकलडीहा, चंदौली। ऐसा लगता है जैसे सूबे की योगी सरकार प्रत्येक नागरिकों को अनाज और घर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी को पहली प्राथमिकता दे रखी हो। तभी तो इस क्रम में विगत कई दशकों पूर्व सकलडीहा टिमीलपुर ग्राम सभा के रोड के किनारे बसे वनवासियों के लिए आवास बनाने का कार्य जोरों शोरों से चल रहा है। आपको बताते चलें कि विगत दिनों पूर्व जिले के जिलाधिकारी द्वारा सकलडीहा कस्बे का निरीक्षण किया गया था। जिसमें रोड के किनारे बसे इन वनवासियों के लिए आवास उपलब्ध कराने के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया गया था। कालांतर में अधिकारियों का तबादला भी होता चला गया ऐसा लग रहा था जैसे जिलाधिकारी का आदेश ठंडे बस्ते में चला जाएगा। परंतु कुछ दिनों पूर्व ही खंड विकास अधिकारी द्वारा उक्त आदेश के क्रम में लगातार निरीक्षण के साथ कार्यवाही की गई। इसी क्रम में सकलडीहा ग्राम पंचायत अधिकारी व टिमीलपुर ग्राम सभा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के द्वारा वनवासियों के रहने के लिए आवास बनाने का कार्य जोरों शोरों से प्रारंभ कर दिया गया है। जहां स्वयं ग्राम पंचायत अधिकारी इस चिलचिलाती धूप में खड़े होकर आवास का कार्य कराते नजर आए। वही इनके साथ टिमीलपुर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक कुमार भी कार्यों को सकुशल संपन्न कराने हेतु लगातार मेहनत करते पाए गए। चर्चा के दौरान प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि अधिकारियों के आदेश निर्देश के क्रम में सात वनवासियों के आशियाने की व्यवस्था करने का आदेश प्राप्त हुआ है। जिसे शीघ्र से शीघ्र पूर्ण कराने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है और जल्द ही इन वनवासियों को अपना आशियाना प्राप्त हो जाएगा।

पुलिस अधिकारियों द्वारा किया जा रहा सायं पैदल गश्त

संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की की जा रही सघन चेकिंग

पैदल गश्त के दौरान आमजन व व्यापारियों से संवाद कर कराया जा रहा सुरक्षा का एहसास

हिन्द भास्कर

भदोही। पुलिस अधीक्षक भदोही डॉ. अनिल के निर्देशन में जनपद में चाक चौबन्द सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था तथा बालिका व महिला सुरक्षा के दृष्टिगत जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण व प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष एवं चौकी प्रभारी मय पुलिस बल के साथ सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए सायं पैदल गश्त किया जा रहा है। पैदल गश्त के दौरान प्रमुख मार्गो, चौराहों, बाजारों व भीड़-भाड़ वाले स्थानों आदि पर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की गहनता से चेकिंग की गई। पैदल गश्त के दौरान आम जन को आश्वस्त कराया जा रहा है कि जनपद भदोही पुलिस शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है।

ऑटो व बाइक की टक्कर में ऑटो सवार युवक की मौत

बबुरी, चंदौली (हिन्द भास्कर)। बबुरी थाना क्षेत्र के ग्राम सभा दुबे में रविवार की दोपहर बाइक व ऑटो की भिड़ंत में बैंड बाजा मालिक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अलीनगर के सिंघीताली से अमाव शहाबगंज अपने रिश्तेदारी में रविवार दोपहर बैड बाज़ा लेकर पिंटू अपने अन्य साथियों के साथ जा रहा था।

ऑटो ज्यों ही बबुरी के दुदे बड़ागांव के समीप पहुँची थी कि गांव के रास्ते से बाइक सवार दो युवक अचानक आ गए और ऑटो से टकरा गए ऑटो अनियंत्रित होकर वही पलट गई घटना में बैंड बाजा मालिक विकास उर्फ पिंटू 23 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे लेकर लोगों ने ट्रामा सेंटर जा रहे थे कि रास्ते में उसकी मौत हो गई। पिंटू की मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव को लेकर बबुरी थाने पर जा रहे हैं।

महाराष्ट्र से घर लौट रहे युवक की चलती ट्रेन से गिरकर मौत

पढ़ने लिखने की उम्र में कंपनी में काम करने गया था विकास उर्फ लालू

हिन्द भास्कर

नौगढ़। नौगढ़ थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कस्बा स्थित बाघी गांव निवासी एक युवक की महाराष्ट्र से घर लौटते समय पितूर रेलवे स्टेशन के पास गिरने से मौत हो गई। उसकी मौत की खबर मिलने के बाद से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। महाराष्ट्र रेलवे पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। नौगढ़ थाना क्षेत्र के बाघी गांव निवासी विकास उर्फ लालू 18 वर्ष पुत्र नरेंद्र जायसवाल एक माह पहले गांव से कमाने के लिए महाराष्ट्र गया हुआ था। औरंगाबाद इलाके में रहकर विकास एक कंपनी में काम करने लगा था। जो 19 मई को मनमार से सिकन्दराबाद के लिए रात्रि 2 बजे देवगिरी 17057 एक्सप्रेस से अपने बड़े भाई अंकित के साथ घर आ रहा था, भोर में शौच के लिए गया और अचानक अनियंत्रित हो गया प्लेटफार्म पर गिरते हुए ट्रैक के नीचे आ गया। घटनास्थल पर ही विकास ने दम तोड़ दिया। जिसका शव शनिवार को जालना जिले के परपुर स्टेशन के समीप खून से लथपथ रेलवे पुलिस को मिली। जेब में पड़े आधार कार्ड और उसके भाई की शिनाख्त से विकास के घर वालों को सूचना रेलवे पुलिस ने दी। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। सूचना पर घर वाले और उसका बड़ा भाई अंकित पहुंच गया। शनिवार को दोपहर 12 बजे रेलवे पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया है, जिसे लेकर घर के लोग चल दिए हैं और सोमवार को सुबह नौगढ़ पहुंचेंगे। विकास की मौत के बाद से घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारी सुरक्षा गोष्ठी का होगा आयोजन

सुरक्षा गोष्ठी में जिले के सभी व्यापारियों का किया गया आह्वान

हिन्द भास्कर

सकलडीहा, चंदौली। व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा एक आवश्यक गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के समस्त व्यापारी, उद्यमी, सराफा व्यवसाई, जन सेवा केंद्र संचालक से लेकर अन्य सभी व्यापारियों का आह्वान किया गया है। वही यह गोष्ठी दिनांक 23.05.2023 को समय 12.30 बजे से पुलिस लाईन चन्दौली के सभागार में आयोजित की गई है। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद चन्दौली के व्यापारी बंधु, उद्यमियों, सर्राफा व्यवसायियों, ग्राहक सेवा केन्द्र संचालको की उक्त गोष्ठी मे समय से प्रतिभाग करने हेतु समस्त थानाध्यक्ष क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया। वह सभी लोग अपने-अपने थाना क्षेत्र के व्यापारी बंधु, उद्यमियों, सर्राफा व्यवसायियों, ग्राहक सेवा केन्द्र संचालको को उक्त गोष्ठी में प्रतिभाग करने हेतु सूचित करना सुनिश्चित करें। इस दौरान गोष्ठी में जिले के जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक के साथ अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। जिनसे व्यापारी अपने व्यापार में हो रही परेशानियों तथा विभागीय अधिकारी द्वारा हो रही शोषण के बारे में अधिकारियों को जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। वही इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा एक प्रेस नोट जारी की गई है जिसमें अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं।

सावधानःस्कार्पियो से चल रहें बकरी चोर

6 बकरियों को पलक झपकते ही उडाया, दौड़ाकर पकड़ा

पुलिस कर रही कार्यवाई

हिन्द भास्कर

पीडीडीयू नगर चंदौली। स्थानीय चकिया कोतवाली अंतर्गत रामपुर गांव निवासी कल्लू पाल आज रविवार की दोपहर बहेलियापुर बंधी में बकरी चरा रहे थे। तभी स्कार्पियो सवार हौसला बुलंद चोरों ने आंख में धूल झोकते हुए 6 बकरियों को स्कारपियो में लादकर चकिया की ओर भागने लगे। आसपास के कुछ लोगों ने यह कारनामा देख हो हल्ला मचाया तो गांव वालों ने स्कार्पियो सवार चोरों को दुबेपुर तक दौड़ाया। वहीं पुलिस को सूचना देने पर पुलिस भी तत्परता दिखाते हुए दुबेपुर गांव के समीप स्कार्पियो सवार चोरों को धर दबोचा। जिसके बाद थाने लाकर विभिन्न कार्रवाई में पुलिस जुट गई।

बतादें कि आज रविवार की दोपहर रामपुर गांव निवासी कल्लू पाल गांव से सटे बहेलियापुर बंधी में अपनी बकरी चरा रहे थे। तभी हौसला बुलंद स्कार्पियो सवार चोरों ने 6 बकरियों पर हाथ साफ करते हुए चकिया की ओर भागने का प्रयास किया। जहां चोरों का यह कारनामा आसपास के लोगों ने देखते ही हो हल्ला मचाया तो ग्रामीणों द्वारा स्कार्पियो सवार चोरों को दौड़ाते हुए दुबेपुर तक लाया गया। जिसकी सूचना पुलिस को देने पर पुलिस भी तत्परता दिखाते हुए दुबेपुर गांव के पास आते जाते स्कार्पियो सवार चोरों को पुलिस धर दबोची। स्कॉर्पियो सवार चोरों को पुलिस चकिया कोतवाली ले आई, जहां पूछताछ कर विभिन्न विभिन्न कार्रवाई करने में जुट गई।

कल्लू पाल ने बताया कि दोपहर में बकरी हम चरा रहे थे। बकरियों को छोड़कर मैं पेड़ के छांव के नीचे आराम कर रहा था। तभी अचानक स्कारर्पियो सवार कुछ लोग आए और छ बकरियों को भरकर चलते बने। तभी गांव वालों ने देखकर हो हल्ला मचाया। जिससे हमको पता चला। हालांकि कल्लू पाल की तहरीर पर पुलिस ने खबर लिखे जाने तक कार्रवाई करने में जुटी रही।

अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहा अभियान

कदंवा पुलिस ने 6 ट्रैक्टरों को किया सीज

सीओ सदर रामवीर सिंह बोले- आगे भी होगी कार्रवाई

हिन्द भास्कर

पीडीडीयू नगर चंदौली।चंदौली जिले में उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार अवैध खनन के खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान थाना कंदवा पुलिस को भारी सफलता मिली है। पुलिस द्वारा 6 ट्रैक्टर को सीज किया गया है और अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा सहित आधा दर्जन पुलिसकर्मी शामिल रहे हैं।

चंदौली जिले के सीओ सदर रामवीर सिंह ने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई होगी। यह अभियान अवैध खनन को रोकने और सख्ती से कानून का पालन कराने के लिए चलाया जा रहा है।

इस प्रकार, चंदौली जिले में उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को अवैध खनन में शामिल व बालू मिट्टी ढोने वाले 6 ट्रैक्टरों को पकड़ने में सफलता मिली है।

दुल्हीपुर महावलपुर बचाओ संघर्ष मोर्चा की हुई बैठक

हिन्द भास्कर

पीडीडीयू नगर चंदौली। दुल्हीपुर महावलपुर बचाओ संघर्ष मोर्चा की 4 लेन चौड़ीकरण के मांग को लेकर एक सभा हुई। सभा के मुख्य अतिथि चंदौली भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राणा प्रताप सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा गरीबों को उजाड़ने का नहीं है। सरकार सड़कों पर विशेष ध्यान दे रही है। यह योजना पहले से बना हुआ था इस समय 2 किलोमीटर की दूरी पर रिग रोड और हाईवे बन जाने से 6 लेन चौड़ीकरण करने का कोई औचित्य नहीं है। इस मांग को लेकर संघर्ष मोर्चा पिछले कई बार भारी उद्योग मंत्री माननीय डॉ महेन्द्र नाथ पांडेय जी जी से मिलकर अपनी मांगों को पूरा करने के लिए मुलाकात कर चुका है अभी चंदौली में माननीय मंत्री जी के आने पर हम सभी लोग माननीय मंत्री जी से मिलकर पी डब्लू डी के चीफ इंजीनियर ए सी एक्सियन के साथ वार्ता कर 4 लेन कराने पर सहमति बनाई जायेगी ताकि गरीबो का घर न उजड़े अपनी जिविका चला सके। सड़कों का सुन्दरी करण हो सके। पिछले दिनों जफरपुर गांव में रेलवे ट्रैक की समस्यायों का समाधान मंत्री जी ने किया है। इसलिए दुल्हीपुर की समस्या का समाधान मंत्री जी करेंगे। चूंकि मुगलसराय में 4 लेन चौड़ीकरण होना है इसलिए 4 लैन पड़ाव से मुगलसराय करने में कोई समस्या नहीं होगी। सरकार की मंशा के अनुरूप गरीबों को उजड़ने से बचाया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी इंद्रजीत शर्मा ने कहा कि सरकार गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए 4 लेन चौड़ीकरण पर विचार करना चाहिए। संरक्षक रतन कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दुल्हीपुर महावलपुर बस्ती आजादी के पूर्व से आबाद है शेरशाह सूरी मार्ग सड़क के किनारे बसा हुआ गांव है 1982-83 के नक्शे के अनुसार पी डब्लू डी कि जमीन अपने क्षेत्र में सड़क बना हुआ है। सड़कों के किनारे बस्ती अपनी जमीन पर आबाद है। इसलिए सरकार को ध्यान में रखकर सुन्दरी करण करना चाहिए। समाज सेवी सतीश जिन्दल ने कहा कि मुगलसराय में जहां जाम लगता है वहां 4लेन जहां जाम नहीं लगता है वहां 6 लेन चौड़ीकरण होना उचित नहीं है। ऐसे हालात में पड़ाव से मुगलसराय 4 लेन करना जनहित में होगा। इस अवसर पर श्याम लाल शर्मा कुंदन सोनकर जी एम खलील सत्तन झा राजकुमार गुप्ता त्रिलोकी इत्यादि सैकड़ों की संख्या में मौजूद थे। सभा की अध्यक्षता चितरंजन सोनकर ने किया संचालन डॉ आर के शर्मा ने किया।

जयपुरिया स्कूल के ग्रीष्मकालीन शिविर का भव्य समापन समारोह

चित्र कार्यक्रम के दौरान बच्चे

सरदार महेंद्र सिंह/हिन्द भास्कर

पीडीडीयू नगर चंदौली। सेठ एमआर जैपुरिया स्कूल्स बनारस पड़ाव कैंपस में छः दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन बड़े ही धूम-धाम से संपन्न हुआ। जैसा कि सर्वविदित है कि विद्यालय परिवार प्रति-पल देश के भावी कर्णधारों के सर्वांगीण विकास हेतु तत्पर रहता है। यह प्रशिक्षण शिविर भी इसी उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

उक्त अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी वृंद द्वारा काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के नाट्य विभाग के प्रोफे सर मुख्य अतिथि डॉक्टर शोभा वर्मा का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिह्न देकर किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी वृन्द द्वारा माँ शारदा एवं तुलसी वेदी के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर भारतीय परम्परानुसार कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। अब वह समय आ गया था जब बच्चों द्वारा सीखे गए हुनर को उन्हें मंच पर प्रस्तुत करना था। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो समर कैम्प में आया प्रत्येक बच्चा अपने द्वारा सीखे गए क्रियाकलाप को मंच पर प्रस्तुत करने के लिए आतुर हो रहा है।

कार्यक्रम की श्रृंखला में सर्वप्रथम शिवतांडव स्त्रोत जटाटवीगलज्जल पर योगा का अद्भुत प्रदर्शन बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गयाद्य जिसे देखकर हर कोई अपने आपको गौरान्वित महसूस कर रहा था तो वहीं 'एरोबिक्स' के बच्चों द्वारा संगीत की धुन पर मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को ऊर्जावान कर दिया। वेस्टर्नडांस में ए.बी.सी ग्रुप द्वारा रीमिक्स गानों पर छोटे -छोटे बच्चों की प्रस्तुति ने लोगों को यह सोचने को मजबूर कर दिया समर्पण और अभ्यास से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता हैं। 'ताइक्वान्डो' के बच्चों द्वारा वुडब्रेकिंग पंचिंग ,किकिंग,एक्टिविटी का अद्भुत प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर सभी के दिलों की धड़कने कुछ पल के लिए मानो थम सी गई। पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। ऐसे में भला शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण लेने वाले बच्चे क्यों पीछे रहें बोलो- बोलो राधे- राधे पर युगल नृत्य तथा उसी क्रम में नन्हें बच्चों द्वारा नगाड़े संग ढोल बाजे--की मनमोहक प्रस्तुति ने मुख्य अतिथि को गदगद कर दिया । मुख्य अतिथि लगातार करतल ध्वनि द्वारा बच्चों का उत्साह वर्धन कर रहे थे। फैशन शो के माध्यम से रैम्प पर बच्चे आकर्षक वेशभूषा एवं साज सज्जा द्वारा अपना जलवा बिखेरा।

कार्यक्रम के मध्य में विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनोज बजाज ने कहा कि समर कैम्प का मुख्य उद्देश्य काशी सहित समस्त पूर्वांचल के बच्चों का सर्वांगीण विकास कर एक स्वस्थ समाज की स्थापना करना ही है। हमारा विद्यालय बच्चों के विकास हेतु सदैव से उत्तम प्रयास कर रहा हैं और भविष्य में भी विद्यालय अपने पुनीत मार्ग पर यूँ ही अग्रसर रहेगा । मुझे हर्ष है कि इस शिविर में बच्चे आनंद के पलों में खेल के माध्यम से कई विधाओं को सीखते हैं। मुख्य अतिथि डॉक्टर शुभा वर्मा ने विद्यालय के अनूठे प्रयासों की और विद्यालय प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय द्वारा आयोजित समर कैम्प में बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखकर लगा ही नहीं कि बच्चों ने इस क्रियाओं को मात्र पाँच दिनों में ही सीखा है। कार्यक्रम के तहत सभी बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर डॉक्टर शोभा वर्मा, विद्यालय के चेयरमैन दीपक बजाज, प्रबंध निदेशक श्री मनोज बजाज, निदेशक श्री श्यामसुंदर बजाज, निदेशिका मंजु बुधिया, प्रधानाचार्य आशीष सक्सेना, उप प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका मुखर्जी, शिक्षकवृंद एवं प्रतिभागी बच्चों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य आशीष सक्सेना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सिमरित कौर एवं रूचि मिश्रा ने किया।

ग्रामीणों ने बारिश से पूर्व खड़ंजा बिछाने की मांग

हिन्द भास्कर

सकलडीहा, चंदौली। ग्राम सभा के ग्रामीणों को हो रही परेशानियों को देखते हुए ग्राम प्रधान के साथ ग्राम वासियों ने मिट्टी से बने चकरोड पर खड़ंजा बिछाने की मांग की है। इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि ग्रामसभा छोटा होने के कारण मद भी कम आता है। जिससे ग्राम सभा के कार्यों को करने में ही पैसे की कमी हो जाती है ऐसी स्थिति में इस खड़ंजा का कार्य पूरा कर पाना संभव नहीं है। चूंकि कार्य बड़ा है इसलिए जिला पंचायत व ब्लॉक प्रमुख से खड़ंजा बिछाने की मांग की गई है। परंतु अभी तक कोई ठोस संतुष्टि प्राप्त नहीं हो पाई। आपको बताते चलें कि ग्राम सभा टिमीलपुर से घरचित जाने के लिए दशकों पूर्व दोनों ग्राम सभा के ग्राम प्रधानों द्वारा एक मिट्टी का छौरा बनाया गया था।

जिसपर आज तक कहीं खड़ंजा नहीं बिछ पाया है और ना ही किसी जनप्रतिनिधि द्वारा इस बारे में कभी कोई चर्चा या कार्यवाही की गई। वही वर्तमान प्रधान रीता देवी के पति अशोक कुमार द्वारा उक्त मामले का संज्ञान लेते हुए ग्रामीणों की मांग पर इस रास्ते पर न्यू खड़ंजा बिछाने के लिए सक्षम अधिकारियों से मांग की गई है। जिससे ग्रामीणों को एक गांव से दूसरे गांव तक जाने में सहूलियत प्राप्त हो सके।